



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 100]
No. 100]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 17, 2006/ज्येष्ठ 27, 1928
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 17, 2006/JYAISTHA 27, 1928

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 जून, 2006

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं. 1-सीए (7)/92/2006.- चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विनियम, १९८८ का और संशोधन करने के लिए विनियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया की परिषद् बनाने के लिए प्रस्तावित करती है। चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम, १९४६ (१९४६ का ३८) की धारा ३० की उपधारा (३) द्वारा यथाअपेक्षित, उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, एतद् द्वारा प्रकाशित किया जाता है और एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप विनियमों पर उस तारीख से, जिससे राजपत्र की प्रतियां, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित हुई हैं, जनता के लिए उपलब्ध करा दी गई है, पैंतालीस दिनों की कालावधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात विचार किया जाएगा;

उक्त प्रारूप विनियमों की बाबत कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति उसे परिषद् के विचारार्थ इस प्रकार ऊपर उल्लिखित अवधि के भीतर सचिव, दि इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया, इन्द्र प्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली-११०००२ को भेज सकेगा;

उक्त प्रारूप विनियमों की बाबत किसी व्यक्ति से इस प्रकार उल्लिखित कालावधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति या सुझाव पर परिषद् द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप विनियम

१. (१) इन विनियमों को चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स (संशोधन) विनियम २००६ कहा जाएगा।

(२) ये शासकीय राजपत्र के प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

२. चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम १९८८ में,—

(i) "आर्टिकल क्लर्क" और "ऑडिट क्लर्क" शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं वे आते हैं, क्रमशः "आर्टिकल अस्सिस्टेंट" और "आर्टिकल अस्सिस्टेंट" शब्द रखे जायेंगे।

(ii) विनियम ४ के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जायेगा, अर्थात्:—

४. सदस्यों की अर्हता.—

अधिनियम की धारा ४ और ८ के उपबन्धों के अधीन रहते हुये, कोई व्यक्ति रजिस्टर में अपना नाम प्रविष्ट कराने का हकदार होगा यदि उसने,—

(क) इन विनियमों में यथा उपबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और अनुसूची 'ख' में यथा विनिर्दिष्ट फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है; या

(ख) इन विनियमों में यथा उपबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, ऐसा/ ऐसे पाठ्यक्रम पूरा/पूरे कर लिए हैं और पाठ्य विवरण के अनुसार फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है जैसा कि परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट किए जायें; या

(ग) उसके पास ऊपर खण्ड (क) या खण्ड (ख) में निर्दिष्ट व्यवहारिक प्रशिक्षण और परीक्षाओं के समतुल्य परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त अर्हताएं हैं।

(iii) विनियम २१, २४ और २५ का लोप किया जाएगा;

(iv) विनियम २५ क में,—

(क) उप विनियम (१) में, निम्नलिखित परन्तुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"परन्तु यह कि विनियम २५ ग के अधीन सामान्य प्रवीणता परीक्षण का रजिस्ट्रीकरण प्रारंभ होने के बाद वृत्तिक शिक्षा (पाठ्यक्रम—I) के लिये रजिस्ट्रीकरण नहीं किया जायेगा";

(ख) उप विनियम (२) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(२) उप विनियम (१) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी किसी ऐसे अभ्यर्थी को जो फाइनल वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा या केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके समतुल्य मान्यता प्राप्त परीक्षा में सम्मिलित हुआ हो संस्थान के अध्ययन बोर्ड द्वारा वृत्तिक शिक्षा (पाठ्यक्रम—I) के लिए अंतिम रूप से रजिस्ट्रीकृत किया जा सकेगा:

परन्तु यह कि ऐसे अभ्यर्थी के अनंतिम रजिस्ट्रीकरण की पुष्टि उसके द्वारा संस्थान के अध्ययन बोर्ड को अनंतिम रजिस्ट्रीकरण की तारीख से छः माह की अवधि के भीतर इस उप विनियम में निर्दिष्ट परीक्षा उत्तीर्ण करने के समाधानप्रद सबूत प्रस्तुत किए जाने पर ही की जाएगी:

परन्तु यह और कि यदि ऐसा अभ्यर्थी उपरोक्त छह मास की अवधि के भीतर ऐसा सबूत प्रस्तुत करने में असफल रहता है तो उसका अनंतिम रजिस्ट्रीकरण रद्द कर दिया जायेगा तथा उसके द्वारा संदत्त रजिस्ट्रीकरण फीस या ट्यूशन फीस वापस नहीं की जायेगी एवं इन विनियमों के प्रयोजन के लिए प्राप्त की गई सैद्धांतिक शिक्षा और उत्तीर्ण पात्रता परीक्षण के लिये कोई प्रत्यय नहीं दिया जाएगा।”;

(v) विनियम २५ ख में,—

(क) उप विनियम (१) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थातः—

“(१) वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा—I) में किसी भी अभ्यर्थी को प्रविष्ट नहीं किया जाए जब तक कि वह इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे कि वह संस्थान के अध्ययन बोर्ड में रजिस्ट्रीकृत है तथा उसने सैद्धांतिक शिक्षा स्कीम की अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं जो समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए:

परन्तु यह कि विनियम २ के खंड (ix) (ख) के अर्थ में किसी स्नातक को वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा —I) उत्तीर्ण करने से छूट दी जायेगी यदि ऐसा व्यक्ति—

(i) वाणिज्य स्नातक जिसने पूर्ण प्रश्नपत्रों के रूप में लेखाकर्म, संपरीक्षण और मरकेंटाइल विधि या वाणिज्यिक विधि में परीक्षा के कुल अंकों के कम से कम ५० प्रतिशत संकलित अंक प्राप्त करके स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है; या

(ii) गैर-वाणिज्य स्नातक जिसने एक विषय के रूप में गणित में परीक्षा के कुल अंकों के कम से कम ६० प्रतिशत संकलित अंक प्राप्त करके स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है; या

(iii) वाणिज्य स्नातक जिसने स्नातक परीक्षा पूर्ण प्रश्नपत्रों के रूप में लेखा-कर्म, संपरीक्षण और मरकेंटाइल विधि या वाणिज्यिक विधि विषयों के बिना और गैर-वाणिज्य स्नातक जिसने एक विषय के रूप में गणित से भिन्न अन्य विषयों में परीक्षा के कुल अंकों के कम से कम ५५ प्रतिशत संकलित अंक प्राप्त करके स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की है:

परन्तु यह और कि ऐसे अभ्यर्थी को भी वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा—I) उत्तीर्ण करने से छूट दी जाएगी जिसने कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स अधिनियम, १९५६ (१९५६ का २३) या कंपनी सेक्रेटरीज अधिनियम, १९८० (१९८० का ५६) के अधीन स्थापित क्रमशः दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया या दि इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा संचालित फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

स्पष्टीकरण — इस विनियम के प्रयोजन के लिए

(i) “पूर्ण परीक्षा पत्र” से ऐसा पत्र अभिप्रेत है जो ५० अंकों से कम का न हो;

(ii) अंकों के प्रतिशत की गणना के प्रयोजन के लिए ऐसे विषयों में प्राप्त अंकों की उपेक्षा की जाएगी जिनमें संबंधित विश्व विद्यालय या परीक्षा निकाय के विनियमों द्वारा व्यक्ति से केवल उत्तीर्ण अंक प्राप्त करने की अपेक्षा की जाती है और जिनमें उच्चतर अंक प्राप्त करने पर कोई विशेष प्रत्यय नहीं दिया जाता है;

(iii) एक विषय के रूप में गणित के साथ गैर-वाणिज्य स्नातकों के मामले में, यदि गणित विषय को

आवंटित अंक, जिसमें संबंधित पाठ्यक्रम के लिये पाठ्य विवरण में एक या अधिक प्रश्न पत्र सम्मिलित हैं, परीक्षा में कुल अंकों के १० प्रतिशत से कम हैं तो उसे एक विषय के रूप में गणित से भिन्न विषय के साथ स्नातक समझा जाएगा और वह विनियम २५ ख (१) (iii) के अंतर्गत आएगा; और

(iv) आधे या अधिक के किसी भिन्न को अगला पूर्णांक बनाया जायेगा।”;

(ख) उप विनियम (४) के पश्चात निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“(५) इन विनियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी परिषद्, सामान्य प्रवीणता परीक्षण के लिए रजिस्ट्रीकरण आरंभ होने के पश्चात किसी भी समय इन विनियमों के अधीन वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा—I) आयोजित करना समाप्त कर सकेगी और अभ्यर्थियों से ऐसे पाठ्य विवरण के अनुसार सामान्य प्रवीणता परीक्षण उत्तीर्ण करने की अपेक्षा करेगी जैसा कि परिषद् द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए।”;

(vi) विनियम २५ ख के पश्चात निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

“२५ ग. सामान्य प्रवीणता परीक्षण के लिए रजिस्ट्रीकरण.—

(१) किसी भी अभ्यर्थी का रजिस्ट्रीकरण सामान्य प्रवीणता परीक्षण के लिए नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने भारत में विधि द्वारा गठित परीक्षा निकाय द्वारा संचालित कक्षा १० परीक्षा या केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके समतुल्य मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण न कर ली हो;

परन्तु यह कि इन विनियमों के अधीन फाउंडेशन पाठ्यक्रम / वृत्तिक शिक्षा (पाठ्यक्रम—I) के लिए पहले से रजिस्ट्रीकृत अभ्यर्थी ऐसी शर्तों के अधीन जो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, सामान्य प्रवीणता परीक्षण के लिए रजिस्ट्रीकरण हेतु हकदार होगा।

(२) अभ्यर्थी सामान्य प्रवीणता परीक्षण में रजिस्ट्रीकरण के लिए परिषद् द्वारा अनुमोदित प्रारूप में अपने आवेदन के साथ ऐसी फीस का संदाय करेगा जो परिषद् द्वारा नियत की जाए और वह किसी भी दशा में पंद्रह हजार रुपये से अधिक नहीं होगी।

२५ घ सामान्य प्रवीणता परीक्षण में प्रवेश, फीस और पाठ्य विवरण:—

(१) किसी भी अभ्यर्थी को सामान्य प्रवीणता परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि संस्थान के अध्ययन बोर्ड में रजिस्ट्रीकृत न हो और वह भारत में विधि द्वारा गठित किसी परीक्षा—निकाय द्वारा संचालित वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा (१०+२ परीक्षा) या केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके समतुल्य मान्यता प्राप्त परीक्षा में सम्मिलित न हुआ हो तथा उसने ऐसी अपेक्षाओं का पालन न किया हो जो समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।

(२) सामान्य प्रवीणता परीक्षण के लिए अभ्यर्थी ऐसी फीस का संदाय करेगा जो परिषद् द्वारा नियत की जाए और जो किसी भी दशा में दस हजार रुपये से अधिक नहीं होगी।

(३) सामान्य प्रवीणता परीक्षण के अभ्यर्थी की परीक्षा ऐसे पाठ्य विवरण में से ली जाएगी जो परिषद् द्वारा

समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जायें।”

(vii) विनियम २६, २७ और २८ का लोप किया जाएगा;

(viii) विनियम २८ क में,—

(क) उप विनियम (२) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:—

(२) उप विनियम (१) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित में से किसी प्रवर्ग के अंतर्गत आने वाले व्यक्ति को संस्थान के अध्ययन बोर्ड द्वारा वृत्तिक शिक्षा (पाठ्यक्रम-II) के लिए भी अनंतिम रूप से रजिस्ट्रीकृत किया जाएगा:—

(i) ऐसा अभ्यर्थी, जो इन विनियमों के अधीन वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-I) में या दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वकर्स एकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया अथवा दि इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की फाइनल परीक्षा में सम्मिलित हुआ हो;

(ii) ऐसा अभ्यर्थी जिसने द्वितीय वर्ष स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और इस आशय की घोषणा की है कि अनंतिम रजिस्ट्रीकरण की तारीख से छः मास के भीतर फाइनल वर्ष की स्नातक परीक्षा में सम्मिलित होने का पात्र होने के कारण, वह छः मास की उपरोक्त अवधि के भीतर उक्त फाइनल वर्ष की स्नातक परीक्षा में सम्मिलित होगा।”;

(ख) उपविनियम (४) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(५) इन विनियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी परिषद् वृत्तिक सक्षमता पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के पश्चात् किसी भी समय वृत्तिक शिक्षा (पाठ्यक्रम-II) के लिए रजिस्ट्रीकरण समाप्त कर सकेगी।”;

(ix) विनियम २८ ख में,—

(क) उप विनियम (१) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:—

“(१) किसी भी अभ्यर्थी को वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-II) में प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि वह इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत न कर दे कि वह संस्थान के अध्ययन बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत है तथा उसने समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट सैद्धांतिक शिक्षा स्कीम की अपेक्षाओं का पालन किया है।”;

(ख) उप विनियम (५) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(६) इन विनियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, परिषद्, वृत्तिक सक्षमता पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के पश्चात् किसी भी समय इन विनियमों के अधीन वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-II) आयोजित करना समाप्त कर सकेगी और अभ्यर्थियों से ऐसे पाठ्य विवरण के अनुसार वृत्तिक सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण करने की अपेक्षा करेगी जैसा कि परिषद् द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए।”;

(x) विनियम २८ ख के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“२८ ग. वृत्तिक सक्षमता परीक्षा में प्रवेश.—

(१) किसी भी अभ्यर्थी को वृत्तिक सक्षमता परीक्षा के प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसने —

(क) इन विनियमों के अधीन आयोजित सामान्य प्रवीणता परीक्षण और भारत में विधि द्वारा स्थापित किसी परीक्षा निकाय द्वारा संचालित वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा (१०+२ परीक्षा) या केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके समतुल्य मान्यताप्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण न कर ली हो; और

(ख) कम से कम पन्द्रह मास तक आर्टिकलड असिस्टेंट या ऑडिट असिस्टेंट के रूप में या भागतः आर्टिकलड असिस्टेंट भागतः ऑडिट असिस्टेंट के रूप में, उस मास के, जिसमें परीक्षा आयोजित की जाती है, प्रथम दिन के तीन मास पूर्व कार्य न किया हो; और

(ग) ऐसी अवधि के लिए और ऐसी रीति में तथा ऐसे समय के भीतर सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण पर पाठ्यक्रम पूरा न कर लिया हो जो समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए:

परन्तु यह कि ऐसा अभ्यर्थी जिसने इन विनियमों के अधीन फाउंडेशन परीक्षा / वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-I) उत्तीर्ण की हो तथा कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम या सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूर्ण किया हो उपरोक्त खण्ड (ख) की अनुपालना के अधीन रहते हुए उक्त परीक्षा में प्रवेश पायेगा।

(२) वृत्तिक सक्षमता परीक्षा के लिए अभ्यर्थी ऐसी फीस का संदाय करेगा जो परिषद् द्वारा नियत की जाए और जो किसी भी दशा में दस हजार रुपये से अधिक नहीं होगी।

(३) वृत्तिक सक्षमता परीक्षा के लिए अभ्यर्थी की परीक्षा, परिषद् द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट पाठ्य विवरण के अनुसार ली जाएगी।”;

(xi) विनियम २६ क में,—

(क) शीर्षक के, कोष्ठकों में आने वाले “परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थातः—

“विनियम ३१ (i) के अधीन”;

(ख) उप विनियम (१) में, खण्ड (i), (ii) और (iii) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थातः—

“(i) उसने इन विनियमों के अधीन वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-II) उत्तीर्ण कर ली हो; और

(ii) उसने व्यावहारिक प्रशिक्षण पूरा कर लिया हो जैसा कि सदस्य के रूप में प्रवेश के लिए अपेक्षित है या उस मास के प्रथम दिन जिसमें परीक्षा का आयोजित किया जाना नियत है, व्यावहारिक प्रशिक्षण के अंतिम बारह मास के लिए सेवारत रहा हो; और

(iii) वह संस्थान के अध्ययन बोर्ड से इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर दे कि उसने समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट सैद्धांतिक शिक्षा स्कीम की अपेक्षाओं का अनुपालन कर लिया है:

परन्तु यह कि सैद्धांतिक शिक्षा स्कीम की अपेक्षा ऐसे अभ्यर्थी को लागू नहीं होगी जिसे फाइनल परीक्षा

के प्रारंभ से पूर्व परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट पाठ्य विवरण के अधीन आयोजित फाइनल परीक्षा में प्रवेश दिया गया था।

स्पष्टीकरण:—

स्पष्टीकरण — उपरोक्त बारह मास की अवधि की गणना करने में, आर्टिकलड असिस्टेंट की दशा में १३८ दिन से और ऑडिट असिस्टेंट की दशा में १८४ दिन से अधिक ली गई छुट्टियां उस अवधि के रूप में मानी जाएंगी जिसमें, यथास्थिति, आर्टिकलड या ऑडिट सेवा के अधीन सेवारत रहना आयोजित है।”

(xii) विनियम २६ क के पश्चात् निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“२६ ख फाइनल परीक्षा में प्रवेश.—

[विनियम ३१ (ii) के अधीन परिषद् द्वारा यथा विनिर्दिष्ट पाठ्य विवरण के अधीन फाइनल परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को लागू]

(१) किसी भी अभ्यर्थी को फाइनल परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक कि उसने इन विनियमों के अधीन आयोजित वृत्तिक सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण न की हो और सदस्य के रूप में प्रवेश के लिए अपेक्षानुसार व्यावहारिक प्रशिक्षण उस मास से जिसमें परीक्षा आयोजित होती है, पूर्व मास के अंतिम दिन पर या उसके पूर्व न कर लिया हो।

(२) उप विनियम (१) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी ऐसे अभ्यर्थी को जिसने इन विनियमों के अधीन वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-II) या इंटर मीडियट परीक्षा या चार्टर्ड एकाउंटेंट विनियम, १९६४ के अधीन इंटरमीडियट परीक्षा या चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, १९४९ (सुसंगत समय पर प्रवृत्त) के अधीन इंटरमीडियट या प्रथम परीक्षा उत्तीर्ण की हो या जिसे उन विनियमों के अंतर्गत फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट प्रदान की गई हो, फाइनल परीक्षा में प्रवेश दिया जायेगा परन्तु यह तब जबकि उसने सदस्य के रूप में अपेक्षित व्यावहारिक प्रशिक्षण उस मास से, जिसमें परीक्षा आयोजित होनी है, पूर्व मास के अंतिम दिन को या उसके पूर्व पूरा कर लिया हो या व्यावहारिक प्रशिक्षण के अंतिम छः मास से सेवारत हो।”

(xiii) विनियम २१ के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:

“३१. फाइनल परीक्षा के लिए पाठ्यविवरण.—

फाइनल परीक्षा के अभ्यर्थी की परीक्षा;

i) वृत्तिक शिक्षा (पाठ्यक्रम (II) के प्रारंभक के पश्चात् परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट पाठ्यविवरण के अनुसार;
या

(ii) वृत्तिक सक्षमता परीक्षा के प्रारंभ के पश्चात्, परिषद् द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट पाठ्य विवरण के अनुसार, ली जायेगी।

(xiv) विनियम ३६ के पश्चात् निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“३६ क. सामान्य प्रवीणता परीक्षण उत्तीर्ण करने की अपेक्षा.—

यदि सामान्य प्रवीणता परीक्षण का अभ्यर्थी, समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट नीति में नकारात्मक अंकन के अधीन रहते हुए कम से कम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे साधारणतया परीक्षण में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।”;

(xv) विनियम ३७ का लोप किया जाएगा।

(xvi) विनियमन ३७ क के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“३७ ख वृत्तिक सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अपेक्षाएं.—

(i) कोई अभ्यर्थी, दोनों समूहों में साथ-साथ सम्मिलित हो सकता है या एक समूह के लिए एक परीक्षा में और शेष समूह के लिए किसी पश्चात्वर्ती परीक्षा में सम्मिलित हो सकता है और यदि वह दोनों समूहों में उत्तीर्ण हो जाता है तो साधारणतया उसे वृत्तिक सक्षमता परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाता है।

(२) किसी अभ्यर्थी को साधारणतया दोनों समूहों में साथ-साथ उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाता है, यदि वह—

(क) प्रत्येक समूह के प्रत्येक प्रश्नपत्र में एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है और प्रत्येक समूह के सब प्रश्न पत्रों के कुल मिलाकर कम से कम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है; या

(ख) दोनों समूहों के प्रत्येक प्रश्न पत्र में, एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है और एक साथ दोनों समूहों के सभी प्रश्न पत्रों में कुल मिलाकर कम से कम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है।

(३) यदि कोई अभ्यर्थी किसी एक समूह के हर प्रश्न पत्र में एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है और उस समूह के सब प्रश्न पत्रों के कुल मिलाकर कम से कम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे उस समूह में उत्तीर्ण घोषित कर दिया जायगा।

(४) कोई अभ्यर्थी, जो या तो अक्टूबर, २००१ से प्रभावी विनियम २८ ख के उपविनियम (५) के अधीन परिषद् द्वारा यथा विनिर्दिष्ट पाठ्यविवरण के अंतर्गत वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-II) में जिसकी परीक्षा नवंबर, २००२ से प्रारंभ हुई थी या चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, १९८८ की अनुसूची 'ख' के पैरा २ क के अधीन पाठ्य विवरण के अनुसार इंटरमीडियट परीक्षा के किसी एक समूह में उत्तीर्ण हुआ है किन्तु दोनों समूहों में नहीं, उस विशिष्ट समूह में छूट प्राप्त करने का पात्र होगा और वृत्तिक सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए उससे शेष समूह में सम्मिलित होने और उत्तीर्ण करने की अपेक्षा की जाएगी।

(५) परिषद् ऐसे अभ्यर्थी को जिसने विनियम २८ ख के उप विनियम (५) के अधीन विनिर्दिष्ट पाठ्य

विवरण के अंतर्गत प्रश्न पत्र / प्रश्न पत्रों में परीक्षा देने से पहले छूट प्राप्त की हो, परिषद् द्वारा निर्धारित नए पाठ्यविवरण के अंतर्गत, ऐसे तत्स्थानी प्रश्न पत्र / प्रश्नपत्रों में यदि वह नए पाठ्यविवरण के अंतर्गत आता / आते हैं, बाकी बचे छूट के अवसर / अवसरों को जारी रखने हेतु मार्गदर्शक सिद्धांत बना सकती है। अभ्यर्थी के उस प्रश्न पत्र के स्थान पर जिसमें वह अनुत्तीर्ण रहा था, तत्स्थानी प्रश्न पत्र / प्रश्न पत्रों में सम्मिलित होने पर, यदि वह उस प्रश्न पत्र / पत्रों के स्थान पर जिसमें वह अनुत्तीर्ण रहा था तत्स्थानी प्रश्न पत्र / पत्रों में एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है, तथा उन प्रश्नपत्रों के अंकों सहित जिनमें उसे परिषद् द्वारा छूट दी गई थी, उस समूह के सभी प्रश्नपत्रों के कुल मिलकर कम से कम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(६) उप विनियम (१) से (५) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी ऐसा अभ्यर्थी जो एक समूह के एक या अधिक प्रश्नपत्रों में अनुत्तीर्ण रहता है किन्तु उस समूह के किसी प्रश्न पत्र / किन्हीं प्रश्नपत्रों में कम से कम ६० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है, तो वह उस प्रश्नपत्र या उन प्रश्नपत्रों में जिस / जिनमें उसने ६० प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किए हैं, ठीक अगली तीन परीक्षाओं में से एक या अधिक में सम्मिलित होने का हकदार होगा और यदि वह ऐसे प्रत्येक प्रश्नपत्र में एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तथा उस प्रश्नपत्र या प्रश्न पत्रों सहित जिस/जिनमें उसने ऊपर पहले निर्दिष्ट परीक्षा में कम से कम ६० प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, उस समूह के सभी प्रश्न पत्रों के कुल अंकों के कम से कम ५० प्रतिशत प्राप्त कर लेता है तो उस समूह में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। वह उस समूह के शेष प्रश्नपत्रों में और छूट का तब तक पात्र नहीं होगा तब तक कि उसने उसे समूह में उसे पहले की दी गई छूट न तो ली हो।

(xvii) विनियम ३८ का लोप किया जाएगा।

(xviii) विनियम ३८ क में, शीर्षक में कोष्ठक में आने वाले "परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"विनियम ३१ (i) के अधीन";

(xix) विनियम ३८ क के पश्चात् निम्नलिखित विनियम रखा जायेगा, अर्थात्:-

"३८ ख. फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण करने की अपेक्षाएं:-

[विनियम ३१ (ii) के अधीन परिषद् द्वारा यथा विनिर्दिष्ट पाठ्य विवरण के अधीन फाइनल परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को लागू]

(१) कोई अभ्यर्थी दोनों समूहों में साथ-साथ सम्मिलित हो सकता है या एक समूह के लिए एक परीक्षा में और शेष समूह के लिये किसी पश्चातवर्ती परीक्षा में सम्मिलित हो सकता है, और यदि वह दोनों समूहों में उत्तीर्ण हो जाता है तो साधारणतया उसे फाइनल परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाता है।

(२) किसी अभ्यर्थी को साधारणतया दोनों समूहों में साथ-साथ उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाता है, यदि वह-

(क) प्रत्येक समूह के प्रत्येक प्रश्न पत्र में एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है और प्रत्येक समूह के सब प्रश्नपत्रों के कुल मिलाकर कम से कम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है; या

(ख) दोनों समूहों के प्रश्न पत्रों में एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है और एक साथ दोनों समूहों के सभी प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर कम से कम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है।

(३) यदि कोई अभ्यर्थी किसी एक समूह के हर प्रश्न पत्र में एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है और उस समूह के सब प्रश्न पत्रों के कुल मिलाकर कम से कम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे उस समूह में उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

(४) कोई अभ्यर्थी, जो या तो अक्टूबर, २००१ से प्रभावी विनियम ३१ के खंड (i) के अधीन परिषद् द्वारा यथा विनिर्दिष्ट पाठ्यविवरण के अंतर्गत फाइनल परीक्षा में जिसकी परीक्षा नवंबर, २००२ से प्रारंभ हुई थी या चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, १९८८ की अनुसूची 'ख' के पैरा ३ या ३ क या सुसंगत समय पर प्रवृत्त चार्टर्ड एकाउंटेंट्स विनियम, १९६४ (१ जनवरी, १९८५ के पश्चात दो समूह स्कीम) की अनुसूची 'ख ख' में पैरा ३ के अंतर्गत पाठ्य विवरण के अनुसार फाइनल परीक्षा के किसी एक समूह में उत्तीर्ण हुआ है किन्तु दोनों समूहों में नहीं, उस विशिष्ट समूह में छूट प्राप्त करने का पात्र होगा और फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए उससे शेष समूह में सम्मिलित होने और उत्तीर्ण करने की अपेक्षा की जाएगी।

(५) परिषद् ऐसे अभ्यर्थी को जिसने विनियम ३१ के खण्ड (i) के अधीन विनिर्दिष्ट पाठ्य विवरण के अंतर्गत प्रश्न पत्र / पत्रों में परीक्षा देने से पहले छूट प्राप्त की हो परिषद् द्वारा निर्धारित नए पाठ्य विवरण के अंतर्गत, ऐसे तत्स्थानी प्रश्न पत्र / पत्रों में यदि वह नए पाठ्य विवरण के अंतर्गत आता / आते हैं, बाकी बचे छूट के अवसर / अवसरों को जारी रखने हेतु मार्गदर्शक सिद्धांत बना सकती हैं। अभ्यर्थी को उस प्रश्न पत्र के स्थान पर जिसमें वह अनुत्तीर्ण रहा था, तत्स्थानी प्रश्न पत्र / पत्रों में सम्मिलित होने पर यदि वह उस प्रश्न पत्र / पत्रों के स्थान पर जिसमें वह अनुत्तीर्ण रहा था, तत्स्थानी प्रश्नपत्र / पत्रों में एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तथा उन प्रश्न पत्रों के अंकों सहित जिनमें उसे परिषद् द्वारा छूट दी गई थी, उस समूह के सभी प्रश्नपत्रों के कुल मिलाकर कम से कम ५० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किया जायेगा।

(६) उप विनियम (१) से (५) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी ऐसा अभ्यर्थी जो एक समूह के एक या अधिक प्रश्नपत्रों में अनुत्तीर्ण रहता है किन्तु उस समूह के किसी प्रश्न पत्र / किन्हीं प्रश्न पत्रों में कम से कम ६० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तो वह उस प्रश्न पत्र या उन प्रश्न पत्रों में जिस / जिनमें उसने ६० प्रतिशत से कम अंक प्राप्त किए हैं, ठीक अगली तीन परीक्षाओं में से एक या अधिक में सम्मिलित होने का हकदार होगा और यदि वह ऐसे प्रश्न पत्र में एक बार में कम से कम ४० प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है तथा उस प्रश्न पत्र या प्रश्न पत्रों सहित जिस / जिनमें उसने ऊपर पहले निर्दिष्ट परीक्षा में कम से कम ६० प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं उस समूह के सभी प्रश्न पत्रों के कुल अंकों के कम से कम ५० प्रतिशत प्राप्त कर लेता है तो उस समूह में उत्तीर्ण घोषित किया जायेगा। वह उस समूह के शेष प्रश्न पत्रों में और छूट का तब तक पात्र नहीं होगा जब तक उसने उस समूह में उसे पहले ही दी गई छूट न ले ली हो।

(xx) विनियम ३६ में,—

(क) उपविनियम (४) में, खंड (i) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

(i) ऐसी जानकारी की क्या किसी परीक्षा के विशिष्ट प्रश्न पत्र या प्रश्न पत्रों में अभ्यर्थी के उत्तरों की जांच की गई है और उसे अंक दिए गए हैं, उक्त परीक्षा का परिणाम घोषित किए जाने के एक मास के भीतर ऐसी फीस के साथ जो परिषद् द्वारा निर्धारित की जाएगी और किसी भी दशा में पांच सौ रुपये से अधिक नहीं होगी, आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर अभ्यर्थी को दी जाएगी।”

(ख) उपविनियम (५) के परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा, अर्थात्:—

“परन्तु यह कि यदि किसी परीक्षा में अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त अंकों के विवरण की दूसरी प्रति के लिए अनुरोध, परीक्षा का परिणाम घोषित होने की तारीख से दो मास के पश्चात प्राप्त होता है तो विवरण ऐसी फीस के संदाय पर दिया जाएगा जो परिषद् द्वारा नियत की जाए और यह किसी भी दशा में एक सौ रुपये से अधिक नहीं होगी।”

(xxi) विनियम ४० के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“४०. परीक्षा प्रमाणपत्र.—

वृत्तिक सक्षमता परीक्षा और फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी को परिषद् द्वारा अनुमोदित उस आशय का एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।”;

(xxii) विनियम ४५ के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“४५. आर्टिकलशिप में प्रवेश.—

(१) आर्टिकलड असिस्टेंट्स नियोजित करने वाला सदस्य किसी व्यक्ति को आर्टिकलड असिस्टेंट्स के रूप में स्वीकार करने से पूर्व यह समाधान करेगा कि:—

(क) आर्टिकलड असिस्टेंट्स को प्रशिक्षित करने के प्रयोजन के लिए उसका वृत्तिक व्यवसाय (उसके वैयक्तिक नाम या व्यापार नाम या फर्म के भागीदार के रूप में) उचित है; और

(ख) ऐसा व्यक्ति:—

(i) इन विनियमों के अधीन वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-II) उत्तीर्ण कर चुका है; और

(ii) परिषद् द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट रीति में कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर चुका है।

(२) उपविनियम (२) में अंतर्निष्ठ किसी बात के होते हुए भी ऐसा अभ्यर्थी जिसने इन विनियमों के अधीन आयोजित सामान्य प्रवीणता परीक्षण और भारत में विधि द्वारा गठित परीक्षा निकाय द्वारा संचालित १०+२ परीक्षा या केन्द्रीय सरकार द्वारा इसके समतुल्य मान्यताप्राप्त कोई परीक्षा भी उत्तीर्ण की हो या जिसने इन विनियमों के अधीन फाउण्डेशन /वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-1) उत्तीर्ण की हो, आर्टिकलशिप में प्रवेश के लिए पात्र होगा:

परन्तु यह कि सामान्य प्रवीणता परीक्षण के प्रारंभ के पूर्व आर्टिकलड असिस्टेंट के रूप में रजिस्ट्रीकृत अभ्यर्थी प्रशिक्षण की निरंतरता में किसी अंतराल के होते हुए भी इन विनियमों के अधीन पहले ही निष्पादित अनुच्छेद विलेख के अनुसार व्यावहारिक प्रशिक्षण की शेष अवधि को जारी रखने और पूरी करने का पात्र होगा:

परन्तु यह और कि ऐसा अभ्यर्थी, जिसने सामान्य प्रवीणता के प्रारंभ के समय इन विनियमों के अधीन वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-11) उत्तीर्ण की हो, ऐसे समय तक जो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, तीन वर्षीय आर्टिकलशिप में सम्मिलित हो सकता है।

(xxii) विनियम ४६ में उप विनियम (१) और (४) के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

“(१) अनुच्छेदों का निष्पादन परिषद् द्वारा अनुमोदित प्रारूप में किया जाएगा।”

“(४) प्रत्येक आर्टिकलड असिस्टेंट संस्थान द्वारा दी जा रही सैद्धांतिक शिक्षा प्राप्त करेगा। वह परिषद् द्वारा अनुमोदित प्रारूप में आवेदन करेगा; आर्टिकलड असिस्टेंट के रूप में ऐसी रजिस्ट्रीकरण फीस और ट्यूशन फीस का संदाय करेगा जो परिषद् द्वारा नियत की जाए और यह कुल मिलाकर पच्चीस हजार रुपये से अधिक नहीं होगी। ट्यूशन फीस का भुगतान एकमुश्त या ऐसी किस्तों तथा ऐसे अंतरालों पर किया जाएगा जो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाए।”

(xxiv) विनियम ५० के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जायेगा, अर्थात्:-

“५० आर्टिकलड असिस्टेंट के लिए प्रशिक्षण की अवधि.-

कोई आर्टिकलड असिस्टेंट संस्थान की सदस्यता का पात्र नहीं होगा जब तक कि वह परिषद् द्वारा अनुमोदित प्रारूप में किसी ऐसे समुचित व्यक्ति से जो उसे जारी करने का हकदार हो इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत न कर दे कि --

(i) वह आर्टिकलड असिस्टेंट के रूप में साढ़े तीन वर्षों की अवधि तक सेवारत रहा है; या

(ii) वह उपरोक्त खंड (i) में यथा विनिर्दिष्ट कुल अवधि के लिए भागतः आर्टिकलड असिस्टेंट और भागतः ऑडिट असिस्टेंट के रूप में सेवारत रहा हो और इस प्रयोजन के लिए ऑडिट असिस्टेंट के रूप में पूर्ण आठ मास की सेवा की गणना आर्टिकलड असिस्टेंट के रूप में छः मास के प्रशिक्षण के रूप में की जाएगी। ऑडिट असिस्टेंट के रूप में आठ मास से कम अवधि के भाग की उपेक्षा की जाएगी:

परन्तु यह कि सामान्य प्रवीणता परीक्षण प्रारंभ होने के पूर्व आर्टिकलड असिस्टेंट के रूप में रजिस्ट्रीकृत कोई अभ्यर्थी प्रशिक्षण की निरंतरता में किसी अंतराल के होते हुए भी इन नियमों के अधीन निष्पादित अनुच्छेद विलेख के अनुसार व्यावहारिक प्रशिक्षण जारी रखने और उसकी शेष अवधि पूरी करने के लिए पात्र होगा:

परन्तु यह और कि ऐसा अभ्यर्थी जिसने सामान्य प्रवीणता परीक्षण के प्रारंभ के समय इन नियमों के अधीन वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-II) उत्तीर्ण की हो ऐसे समय तक, जो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाए, तीन वर्षीय आर्टिकलशिप में सम्मिलित हो सकता है।”;

(xxv) विनियम ५१ में, उप विनियम (१) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

“(१) ऐसा आर्टिकलड असिस्टेंट जिसने इन विनियमों के अधीन वृत्तिक सक्षमता परीक्षा या वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-II) या इंटरमीडियट परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो, अपने विवेकानुसार औद्योगिक प्रशिक्षणार्थी के रूप में, उप विनियम (२) में विनिर्दिष्ट अवधि के लिए किसी ऐसे वित्तीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक उपक्रम में जिसकी कम से कम स्थिर आस्तियां या कम से कम आवृत्ति या कम से कम संदत्त अंश पूंजी ऐसी हो जो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए या समय-समय पर परिषद् द्वारा अनुमोदित किसी अन्य संस्था अथवा संगठन में सेवा करेगा:

परन्तु यह कि आर्टिकलड असिस्टेंट ने ऐसा प्रशिक्षण प्रारंभ होने की तारीख से कम से कम तीन मास पूर्व औद्योगिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के अपने आशय से अपने नियोजक को सूचित कर दिया हो।”.

(xxvi) विनियम ५१ क के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

“५१ क सामान्य प्रबंध और संचार कौशल पाठ्यक्रम तथा उसकी अवधि.-

संस्थान की सदस्यता के लिए आवेदन करने के पूर्व आर्टिकलड असिस्टेंट सामान्य प्रबंध और संचार कौशल का पाठ्यक्रम या कोई अन्य पाठ्यक्रम ऐसी अवधि के लिए जो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए तथा वह सात दिन से कम और तीस दिन से अधिक नहीं होगी और ऐसी रीति और समय के भीतर पूरा करेगा जो समय समय पर परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।”

(xxvii) विनियम ५१ क के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात्:-

“५१ख. सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम:-

कोई अभ्यर्थी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ऐसी अवधि के लिए जो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए तथा वह सौ घंटों से कम और पांच सौ घंटों से अधिक नहीं होगी और ऐसी रीति और समय के भीतर करेगा जो समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।”;

(xxviii) विनियम ५४ में उप विनियम (४), (५), (६), (७) और (८) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:-

“(४) (क) सेकंडमेंट की अधिकतम अवधि एक वर्ष होगी जो एकल पात्र सदस्य के साथ सेवारत हो सकेगी।

(ख) परिषद्, एक से अधिक ऐसे सदस्य के साथ सेकंडमेंट अनुज्ञात कर सकेगी यदि सेकंडमेंट की न्यूनतम अवधि चार मास हो और ऐसे सदस्यों के साथ सेकंडमेंट पर सेवारत कुल अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(५) जहां कोई आर्टिकल्ड असिस्टेंट उद्योग में सदस्य के साथ सेकंड किए जाए, वहां आर्टिकल्ड असिस्टेंट द्वारा उद्योग में व्यतीत की गई कुल अवधि, जिसके अंतर्गत इन विनियमों के अधीन औद्योगिक प्रशिक्षण की अवधि भी है, एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(६) सेकंडमेंट की अवधि के दौरान वह सदस्य जिसके साथ आर्टिकल्ड असिस्टेंट सेकंड किया गया है, इन विनियमों के अधीन यथा उपबंधित वृत्तिक का संदाय करेगा।

(७) ऐसा सदस्य जिसके साथ आर्टिकल्ड असिस्टेंट सेकंड किया गया है, आर्टिकल्ड असिस्टेंट सेकंडमेंट के दौरान प्रशिक्षण देने के लिए जिम्मेवार होगा। वह सेकंडमेंट के दौरान आर्टिकल्ड असिस्टेंट द्वारा प्राप्त व्यावहारिक प्रशिक्षण अभिलेख रखेगा और उसे सेकंडमेंट की अवधि पूरी होने पर नियोजक को अग्रेषित करेगा। नियोजक, विनियम ६४ के अधीन परिषद् को भेजी जाने वाली रिपोर्ट में अपेक्षित विशिष्टियां शामिल करेगा।

(८) परिषद् द्वारा अनुमोदित प्रारूप में एक विवरण, सेकंडमेंट पर प्रशिक्षण प्रारंभ होने की तारीख से तीस दिनों के भीतर अभिलेख के लिए सचिव को भेजा जाएगा।”;

(xxix) विनियम ५६ में, उप विनियम (१) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(१) आर्टिकल्ड असिस्टेंट, १८० दिन की अधिकतम छुट्टी के अधीन रहते हुए छुट्टी की अवधि को उस अवधि में से निकालकर जब वह वस्तुतः सेवारत या बची अवधि के छठे भाग की दर से छुट्टियां अर्जित करेगा।”

(xxx) विनियम ६० के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जायेगा, अर्थात्:—

“६०. आर्टिकल्ड असिस्टेंट के कार्य घंटे.—

ऐसे निर्देश के अधीन रहते हुए जो परिषद् द्वारा जारी किए जाए, आर्टिकल्ड असिस्टेंट के कार्य घंटे प्रति सप्ताह ४० घंटे होंगे जिन्हें नियोजक द्वारा समय-समय पर विनियमित किया जाएगा।”;

(xxxi) विनियम ६६ में, —

(क) उपविनियम (१) में, खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(ख) ऐसा व्यक्ति :—

(i) संपरीक्षा सेवा प्रारंभ होने की तारीख को १८ वर्ष से कम आयु का नहीं है; और

(ii) इन विनियमों के अधीन आयोजित सामान्य प्रवीणता परीक्षण और भारत में विधि द्वारा गठित किसी परीक्षा निकाय द्वारा संचालित वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा (१०+२ परीक्षा) या केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके समतुल्य मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है; या

(iii) इन विनियमों के अधीन फाउण्डेशन / वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-1) उत्तीर्ण कर चुका है परंतु यह कि ऐसा अभ्यर्थी जो सामान्य प्रवीणता परीक्षण के प्रारंभ के पूर्व के ऑडिट असिस्टेंट रूप में रजिस्ट्रीकृत था, इन विनियमों के अधीन बने रहने और सेवा की शेष अवधि पूरी करने के लिए पात्र होगा।”;

(ख) उप विनियम (४) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(४) ऐसे ऑडिट असिस्टेंट से भिन्न, जिसने लेखा कर्म परीक्षा में सरकारी डिप्लोमा या लेखाकर्म में सरकारी डिप्लोमा प्रदान किए जाने के लिए नियमों द्वारा उसके समतुल्य मान्यता प्राप्त कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण की है, प्रत्येक ऑडिट असिस्टेंट संस्थान द्वारा दी जाने वाली सैद्धांतिक शिक्षा प्राप्त करेगा। वह, परिषद् द्वारा अनुमोदित प्रारूप में आवेदन करेगा, ऑडिट असिस्टेंट के रूप में ऐसी रजिस्ट्रीकरण फीस और ऐसी ट्यूशन फीस का संदाय करेगा जो परिषद् द्वारा नियत की जाए और यह किसी भी दशा में कुल मिलाकर पच्चीस हजार रुपये से अधिक नहीं होगी। ट्यूशन फीस का संदाय या तो एकमुश्त या ऐसी किस्तों और ऐसे अंतरालों पर किया जाएगा जैसा कि परिषद् द्वारा नियत किया जाए।”;

(xxii) विनियम ७१ में, (खंड) (i) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(i) ऑडिट असिस्टेंट के रूप में अठावन मास की अवधि के लिए सेवा की हों; या”;

(xxxiii) विनियम ७२ में, उपविनियम (१) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(१) ऐसा ऑडिट असिस्टेंट जिसने इन विनियमों के अधीन वृत्तिक सक्षमता परीक्षा या वृत्तिक शिक्षा (परीक्षा-II) या इंटरमिडियट परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो, अपने विवेकानुसार औद्योगिक प्रशिक्षणार्थी के रूप में उपविनियम (२) में विनिर्दिष्ट अवधि के लिए किसी ऐसे वित्तीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक उपक्रम में जिसकी कम से कम स्थिर आस्तियां या कम से कम आवृत्ति या कम से कम संदत्त अंश पूजी ऐसी हो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए या समय-समय पर परिषद् द्वारा अनुमोदित किसी अन्य संस्था अथवा संगठन में सेवा करेगा:

परन्तु यह कि ऑडिट असिस्टेंट ने ऐसा प्रशिक्षण प्रारंभ होने की तारीख से कम से कम तीन मास पूर्व औद्योगिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के अपने आशय से अपने नियोजक को सूचित कर दिया हो।”;

(xxxiv) विनियम ७२ क के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“७२ क. सामान्य प्रबंध और संचार कौशल पाठ्यक्रम तथा उसकी अवधि.—

संस्थान की सदस्यता के लिए आवेदन करने के पूर्व ऑडिट असिस्टेंट सामान्य प्रबंध और संचार कौशल का पाठ्यक्रम या कोई अन्य पाठ्यक्रम ऐसी अवधि के लिए, जो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए तथा वह सात दिन से कम और तीस दिन से अधिक नहीं होगी और ऐसी रीति और समय के भीतर पूरा करेगा जो समय-समय पर परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।”

(xxxv) विनियम ७२ क के पश्चात् निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“७२ ख सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम.—

कोई अभ्यर्थी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ऐसी रीति और ऐसे समय के भीतर तथा ऐसी अवधि के लिए जो परिषद् द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए तथा वह सौ घंटों से कम एवं पांच सौ घंटों से अधिक नहीं होगी, करेगा।”

(xxxvi) विनियम ७४ में उप विनियम (१) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(१) ऑडिट असिस्टेंट को अनुपस्थिति की ऐसी छुट्टियां अनुज्ञात की जा सकेंगी जैसा कि वह अपने नियोजक के निबंधनों के अनुसार अर्जित करे किन्तु ये छुट्टियां उस अवधि के, जिसके लिए वह सेवारत रहा, छठे भाग से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में से वह अवधि, जब वह छुट्टी पर था, अधिकतम २४० दिन के अधीन रहते हुए निकाल दी जाएगी।”

डॉ. अशोक हल्दिया, सचिव

[विज्ञापन III/IV/104/06-असाधारण]

पाद टिप्पण :- 1. मूल विनियम 1 जून 1988 की अधिसूचना सं. 1-सीए (7)/134/88 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-III खंड 4 में तारीख 1 जून, 1988 को प्रकाशित किए गए थे।

2. तत्पश्चात् उनका समय-समय पर संशोधन किया और अंतिम कुछ संशोधन नीचे दिए गए हैं:—

(i) अधिसूचना सं. १-सी.ए.(७) / ६/६२ जो भारत के राजपत्र में तारीख ७ मार्च, १९६२ को प्रकाशित हुई।

(ii) अधिसूचना सं. १-सी.ए. (७)/४५/६६ जो भारत के राजपत्र में तारीख २६ फरवरी, २००० को प्रकाशित हुई।

(iii) अधिसूचना सं. १-सी.ए.(७)/५१/२००० जो भारत के राजपत्र में तारीख १७ अगस्त, २००१ को प्रकाशित हुई।

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA**NOTIFICATION**

New Delhi, the 17th June, 2006

(Chartered Accountants)

No. 1-CA(7)/92/2006.— The following draft of certain regulations further to amend the Chartered Accountants Regulations, 1988, which the Council of the Institute of Chartered Accountants of India proposes to make, is hereby published, as required by sub-section (3) of section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949) for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette of India in which these draft regulations are published are made available to the public;

Any person desiring to make any objection or suggestion in respect of the said draft regulations, may forward the same for consideration by the Council within the period so specified above to the Secretary, the Institute of Chartered Accountants of India, Indraprastha Marg, New Delhi - 110 002;

Any objection or suggestion, which may be received from any person with respect to the said draft, before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the said Council.

Draft Regulations

1. (1) These regulations may be called the Chartered Accountants (Amendment) Regulations, 2006.
(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Chartered Accountants Regulations, 1988, -
 - (i) for the words "articled clerk" and "audit clerk", wherever they occur, the words "articled assistant" and "audit assistant" shall respectively be substituted.
 - (ii) for regulation 4, the following regulation shall be substituted, namely:-
"4. Qualification of members.-

Subject to the provisions of sections 4 and 8 of the Act, a person shall be entitled to have his name entered in the Register if he, -

- (a) has completed the practical training as provided in these regulations and passed the final examination as specified in Schedule 'B'; or
- (b) has completed the practical training as provided in these regulations, completed such course(s) and passed the final examination as per the syllabus as may be specified by the Council; or

1832 GI 106-3

- (c) possesses qualifications recognised by the Council as equivalent to the practical training and examinations referred to in clause (a) or (b) above.”;
- (iii) regulations 21, 24 and 25 shall be omitted;
- (iv) in regulation 25A, -
 - (a) in sub-regulation (1), the following proviso shall be inserted namely: -

“Provided that no registration for the Professional Education (Course-I) shall be made after the commencement of registration of Common Proficiency Test under regulation 25C”;

- (b) for sub-regulation (2), the following shall be substituted, namely:-

“(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), a candidate who has appeared in the final Senior Secondary Examination or an examination recognized by the Central Government as equivalent thereto may be provisionally registered for the Professional Education (Course-I) by the Board of Studies of the Institute:

Provided that the provisional registration of such candidate shall be confirmed only after satisfactory proof of having passed the examination referred to in this sub-regulation, has been furnished by him to the Board of Studies of the Institute within a period of six months from the date of provisional registration:

Provided further that if such candidate fails to produce such proof within the aforesaid period of six months his provisional registration shall be cancelled and the registration fee or the tuition fee paid by him shall not be refunded and for the purpose of these regulations no credit shall be given for the theoretical education undergone and eligibility tests passed.”;

- (v) in regulation 25B, -

- (a) for sub-regulation (1), the following shall be substituted, namely:-

“(1) No candidate shall be admitted to the Professional Education (Examination-I) unless he produces a certificate to the effect that he is registered with the Board of Studies of the Institute and has complied with the requirements of the theoretical education scheme, as may be specified by the Council from time to time:

Provided that a graduate within the meaning of clause (ix)(b) of regulation 2 shall be exempted from passing the Professional Education (Examination-I), if such person is a -

- (i) commerce graduate having passed the graduation examination with accountancy, auditing and mercantile law or commercial law as full examination papers, securing in the aggregate a minimum of 50% of the total marks in the examination; or
- (ii) non-commerce graduate having passed the graduation examination with mathematics as one of the subjects securing in the aggregate a minimum of 60% of the total marks in the examination; or

- (iii) commerce graduate having passed the graduation examination without accountancy, auditing and mercantile law or commercial law as full examination papers and non-commerce graduate having passed the graduation examination with subjects other than mathematics as one of the subjects securing in the aggregate a minimum of 55% of the total marks in the examination:

Provided further that a candidate who has passed the final examination conducted by the Institute of Cost and Works Accountants of India or by the Institute of Company Secretaries of India, set up under the Cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959) or the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980) respectively shall also be exempted from passing the Professional Education (Examination -I).

Explanation – For the purpose of this regulation –

- (i) "full examination paper" means a paper carrying not less than 50 marks;
- (ii) for the purpose of calculating the percentage of marks, the marks secured in subjects in which a person is required by the regulations of the university or the examining body concerned to obtain only pass marks and for which no special credit is given for higher marks, shall be ignored;
- (iii) in the case of non-commerce graduates with mathematics as one of the subjects, if the marks allotted to the subject of mathematics, involving one or more papers in the syllabus for the concerned course are less than 10 per cent of the total marks in the examination shall be deemed to be graduate with subject other than mathematics as one of the subjects, and shall be covered under regulation 25B(1)(iii); and
- (iv) any fraction of half or more shall be rounded up to the next whole number.”;

- (b) after sub-regulation (4), the following shall be inserted, namely:-

“(5) Notwithstanding anything contained in these regulations, the Council may at any time after the commencement of registration for the Common Proficiency Test discontinue holding Professional Education (Examination-I) under these regulations and require the candidates to pass Common Proficiency Test as per the syllabus as may be specified by the Council from time to time.”;

- (vi) after regulation 25B, the following regulations shall be inserted, namely:-

“25C. Registration for Common Proficiency Test.-

- (1) No candidate shall be registered for Common Proficiency Test unless he has passed the Class 10 examination conducted by an examining body constituted by law in India or an examination recognized by the Central Government as equivalent thereto:

Provided that a candidate who was earlier registered for Foundation Course/Professional Education (Course-I) under these regulations shall be entitled for registration to Common Proficiency Test subject to such conditions as may be specified by

the Council.

(2) A candidate shall pay such fees, as may be fixed by the Council, which shall in any case not exceed rupees fifteen thousand, along with his application in the Form approved by the Council, for registration to the Common Proficiency Test.

25D. Admission to Common Proficiency Test, Fee and Syllabus.-

(1) No candidate shall be admitted to Common Proficiency Test unless he is registered with the Board of Studies of the Institute and has appeared in the Senior Secondary Examination (10+2 examination) conducted by an examining body constituted by law in India or an examination recognised by the Central Government as equivalent thereto and has complied with such requirements as may be specified by the Council from time to time.

(2) A candidate for the Common Proficiency Test shall pay such fees, as may be fixed by the Council, which shall in any case not exceed rupees ten thousand.

(3) A candidate for the Common Proficiency Test shall be examined in the syllabus as may be specified by the Council from time to time. ”;

(vii) regulations 26, 27 and 28 shall be omitted;

(viii) in regulation 28A, -

(a) for sub-regulation (2), the following shall be substituted, namely:-

“(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), a candidate falling in any of the following categories shall also be provisionally registered for the Professional Education (Course-II) by the Board of Studies of the Institute:-

(i) A candidate who has appeared in the Professional Education (Examination-I) under these regulations; or the final examination of the Institute of Cost and Works Accountants of India or the Institute of Company Secretaries of India;

(ii) A candidate who has passed the second year graduation examination giving a declaration to the effect that being eligible to appear in the final year graduation examination within six months from the date of provisional registration intends to appear in the said final year graduation examination within the aforesaid period of six months.”;

(b) after sub-regulation (4), the following shall be inserted, namely:-

“(5) Notwithstanding anything contained in these regulations, the Council may at any time after the introduction of Professional Competence Course, discontinue registration for the Professional Education (Course – II).”;

(ix) in regulation 28B, -

(a) for sub-regulation (1), the following shall be substituted, namely:-

"(1) No candidate shall be admitted to the Professional Education (Examination-II) unless he produces a certificate to the effect that he is registered with the Board of Studies of the Institute and has complied with the requirements of the theoretical education scheme as may be specified by the Council from time to time.";

(b) after sub-regulation (5), the following shall be inserted, namely:-

"(6) Notwithstanding anything contained in these regulations, the Council may at any time after the introduction of Professional Competence Course discontinue holding Professional Education (Examination-II) under these regulations and require the candidates to pass the Professional Competence Examination as per the syllabus as may be specified by the Council from time to time.";

(x) after regulation 28B, the following regulation shall be inserted, namely:-

"28C. Admission to Professional Competence Examination.-

(1) No candidate shall be admitted to Professional Competence Examination unless -

(a) he has passed Common Proficiency Test held under these regulations and Senior Secondary Examination (10+2 examination) conducted by an examining body constituted by law in India or an examination recognized by the Central Government as equivalent thereto; and

(b) he has worked for not less than fifteen months as an articled assistant or as an audit assistant or partly as an articled assistant and partly as an audit assistant, three months prior to the first day of the month in which examination is held; and

(c) he has completed a course on Information Technology Training for such period and in such manner and within such time as may be specified by the Council from time to time:

Provided that a candidate who has passed Foundation Examination/Professional Education (Examination-I) and successfully completed the Computer Training programme or Information Technology Training under these regulations shall be admitted to the said examination subject to compliance of clause(b) above.

(2) A candidate for the Professional Competence Examination shall pay such fees, as may be fixed by the Council, which shall not exceed rupees ten thousand in any case.

(3) A candidate for Professional Competence Examination shall be examined in the syllabus as may be specified by the Council from time to time.";

(xi) in regulation 29A,-

(a) in the heading, after the words "specified by the Council", occurring in the brackets, the following shall be inserted, namely :-

"under regulation 31(i)";

(b) in sub-regulation (1), for clauses (i), (ii) and (iii), the following shall be substituted, namely :-

- "(i) he has passed the Professional Education (Examination – II) under these regulations; and
- (ii) he has completed the practical training as is required for admission as a member or is serving the last twelve months of practical training on the first day of the month in which the examination is scheduled to be held; and
- (iii) he produces a certificate from the Board of Studies of the Institute, to the effect that he has complied with the requirements of the theoretical education scheme as may be specified by the Council from time to time:

Provided that the requirement of theoretical education scheme shall not be applicable to a candidate who was admitted to the final examination held prior to the commencement of the final examination under the syllabus specified by the Council.

Explanation – In computing the aforesaid period of twelve months, leave taken in excess of 138 days in the case of an articled assistant and 184 days in the case of an audit assistant shall be regarded as the period required to be served under articled or audit service, as the case may be.”;

(xii) after regulation 29A, the following regulation shall be inserted, namely:-

"29B. Admission to the Final Examination.-

[Applicable to candidates appearing in Final Examination under the syllabus as may be specified by the Council under regulation 31(ii)]

(1) No candidate shall be admitted to the Final Examination unless he has passed the Professional Competence Examination held under these regulations and has completed the practical training as is required for admission as a member on or before the last day of the month preceding the month in which the examination is held.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), a candidate who has passed the Professional Education (Examination-II) or the Intermediate Examination under these regulations or the Intermediate Examination under the Chartered Accountants Regulations, 1964 or the Intermediate or the First Examination under the Chartered Accountants Regulations, 1949 (enforced at the relevant time) or was exempted from passing the First Examination under those regulations shall be admitted to the Final examination provided he has completed the practical training as is required for admission as a member on or before the last day of the month preceding the month in which the examination is held or has been serving the last six months of practical training.”;

(xiii) for regulation 31, the following regulation shall be substituted, namely :-

"31. Syllabus for the Final Examination.-

A candidate for the final examination shall be examined,-

(i) as per the syllabus specified by the Council after introduction of Professional Education (Course – II); or

(ii) as per the syllabus specified by the Council from time to time after introduction of Professional Competence Examination.

(xiv) after regulation 36, the following regulation, shall be inserted, namely:-

"36A. Requirement for Passing the Common Proficiency Test.-

A candidate for the Common Proficiency Test shall ordinarily be declared to have passed the test if he obtains a minimum of 50 per cent marks, subject to the principle of negative marking, in a manner as may be specified by the Council from time to time."

(xv) regulation 37, shall be omitted.

(xvi) after regulation 37A, the following regulation shall be inserted, namely:-

"37B. Requirements for Passing the Professional Competence Examination.-

(1) A candidate may appear in both the groups simultaneously or in one group in one examination and in the remaining group at any subsequent examination and shall ordinarily be declared to have passed the Professional Competence Examination if he passes in both the groups.

(2) A candidate shall ordinarily be declared to have passed in both the groups simultaneously, if he -

(a) secures at one sitting a minimum of 40 per cent marks in each paper of each of the groups and minimum of 50 per cent marks in the aggregate of all the papers of each of the groups; or

(b) secures at one sitting a minimum of 40 per cent marks in each paper of both the groups and a minimum of 50 per cent marks in the aggregate of all the papers of both the groups taken together.

(3) A candidate shall be declared to have passed in a group if he secures at one sitting a minimum of 40 per cent marks in each paper of the group and a minimum of 50 per cent marks in the aggregate of all the papers of that group.

(4) A candidate who has passed in any one but not in both the groups either of the Professional Education (Examination-II) under the syllabus as specified by the Council under sub-regulation(5) of regulation 28B effective from October 2001, the Examination for which commenced from November, 2002 or of the Intermediate Examination as per syllabus under paragraph 2A of Schedule 'B' to the Chartered Accountants Regulations, 1988 shall be eligible for exemption in that particular group and shall be required to appear and pass in the remaining group in order to pass the Professional Competence Examination.

(5) The Council may frame guidelines to continue to award exemption in a paper(s) to a candidate, granted earlier under the syllabus as specified under sub-regulation

(5) of regulation 28B for the unexpired chance or chances of the exemption in the corresponding paper or paper(s) for the paper or papers in which he had secured exemption if the corresponding paper(s) exists in the new syllabus as may be specified by the Council. On appearing in the examination of the corresponding paper(s) for the papers in which he had failed, he shall be declared to have passed the examination if he secures at one sitting a minimum of 40 per cent marks in the corresponding paper(s) for the paper(s) in which he had failed earlier and a minimum of 50 per cent marks in the aggregate of all the papers of the group including the marks of the paper(s) in which he had earlier been granted exemption by the Council.

(6) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1) to (5), a candidate who fails in one or more papers comprised in a group but secures a minimum of 60 per cent of the marks in any paper or papers of that group shall be eligible to appear at any one or more of the immediately next three following examinations in the paper or papers in which he secured less than 60 per cent marks. He shall be declared to have passed in that group if he secures at one sitting a minimum of 40 per cent marks in each of such papers and a minimum of 50 per cent of the total marks of all the papers of that group including the paper or papers in which he had secured a minimum of 60 per cent marks in the earlier examination referred to above. He shall not be eligible for any further exemption in the remaining paper(s) of that group until he has exhausted the exemption already granted to him in that group.”;

(xvii) regulation 38 shall be omitted.

(xviii) in regulation 38A, in the heading, after the words “specified by the Council”, occurring in the brackets, the following shall be inserted, namely:-

“under regulation 31(i)”;

(xix) after regulation 38A, the following regulation shall be inserted, namely:-

“38 B. Requirements for Passing the Final Examination.-

[Applicable to candidates appearing in Final Examination under the syllabus as may be specified by the Council under regulation 31(ii)]

(1) A candidate may, appear in both the groups simultaneously or in one group in one examination and in the remaining group at any subsequent examination and shall ordinarily be declared to have passed the Final Examination if he passes in both the groups.

(2) A candidate shall ordinarily be declared to have passed in both the groups simultaneously, if he –

- (i) secures at one sitting a minimum of 40 per cent marks in each paper of each of the groups and minimum of 50 per cent marks in the aggregate of all the papers of each of the groups; or
 - (ii) secures at one sitting a minimum of 40 per cent marks in each paper of both the groups and a minimum of 50 per cent marks in the aggregate of all the papers of both the groups taken together.
- (3) A candidate shall be declared to have passed in a group if he secures at one

sitting a minimum of 40 per cent marks in each paper of the group and a minimum of 50 per cent marks in the aggregate of all the papers of that group.

(4) A candidate who has passed in any one but not in both the groups of the Final Examination either under the syllabus as specified by the Council under clause (i) of regulation 31 effective from October, 2001, the examination, for which commenced from November, 2002 or of the Final Examination as per syllabus under paragraph 3 or 3A of Schedule 'B' to the Chartered Accountants Regulations, 1988 or paragraph 3 of Schedule 'BB' to the Chartered Accountants Regulations, 1964 (two groups scheme after January 1, 1985) enforced at the relevant time shall be eligible for exemption in that particular group and shall be required to appear and pass in the remaining group in order to pass the Final Examination.

(5) The Council may frame guidelines to continue to award exemption in a paper(s) to a candidate, granted earlier under the syllabus as specified under clause (i) of regulation 31 for the unexpired chance or chances of the exemption in the corresponding paper or papers for the paper or papers in which he had secured exemption if the corresponding paper exists in the new syllabus as may be specified by the Council. On appearing in the examination of the corresponding paper(s) for the paper(s) in which he had failed, he shall be declared to have passed the examination if he secures at one sitting a minimum of 40 per cent marks in the corresponding paper(s) for the paper(s) in which he had failed earlier and a minimum of 50 per cent marks in the aggregate of all the papers of the group including the marks of the paper(s) in which he had earlier been granted exemption by the Council.

(6) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (1) to (5) above, a candidate who fails in one or more papers comprised in a group but secures a minimum of 60 per cent of the marks in any paper or papers of that group shall be eligible to appear at any one or more of the immediately next three following examinations in the paper or papers in which he secured less than 60 per cent marks. He shall be declared to have passed in that group if he secures at one sitting a minimum of 40 per cent marks in each of such papers and a minimum of 50 per cent of the total marks of all the papers of that group including the paper or papers in which he had secured a minimum of 60 per cent marks in the earlier examination referred to above. He shall not be eligible for any further exemption in the remaining papers of that group until he had exhausted the exemption already granted to him in that group.”;

(xx) in regulation 39, -

(a) in sub-regulation (4), for clause (i), the following shall be substituted, namely:-

“(i) Information as to whether a candidate's answers in any particular paper or papers of any examination have been examined and marked shall be supplied to the candidate on his submitting within a month of the declaration of the result of the said examination, an application, accompanied by a fee as may be fixed by the Council which shall not exceed rupees five hundred in any case.”;

(b) for proviso to sub-regulation (5), the following proviso, shall be substituted, namely:-

“Provided that if a request for a duplicate statement of marks secured by a candidate at any examination is received after the expiry of two months from the date of the

183261/06—4

declaration of the result of the examination, the statement shall be furnished on payment of a fee as may be fixed by the Council which shall not exceed rupees one hundred in any case.”;

(xxi) for regulation 40, the following regulation shall be substituted, namely:-

“40. Examination Certificates.-

A candidate passing Professional Competence Examination and Final Examination shall be granted a certificate to that effect in the form approved by the Council.”;

(xxii) for regulation 45, the following regulation shall be substituted, namely:-

“45. Admission to Articleship.-

(1) A member engaging articled assistants shall before accepting a person as an articled assistant satisfy himself that-

- (a) his professional practice (either in his individual name, or in a trade name or as a partner of the firm), is suitable for the purpose of training articled assistants; and
- (b) such a person –
 - (i) has passed the Professional Education (Examination-II) under these regulations; and
 - (ii) has successfully completed computer training programme as may be specified from time to time by the Council and in the manner so specified.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), a candidate who has passed Common Proficiency Test held under these regulations and also 10+2 examination conducted by an examining body constituted by a law in India or an examination recognized by the Central Government as equivalent thereto; or has passed the Foundation/Professional Education (Examination-I) under these regulations shall be eligible for admission to articleship:

Provided that a candidate who was registered as an articled assistant before the commencement of the Common Proficiency Test shall be eligible to continue and complete the remaining period of practical training as per the deed of articles already executed under these regulations irrespective of any break in the continuity of training:

Provided further that a candidate who has passed Professional Education (Examination-II) under these regulations at the time of commencement of the Common Proficiency Test may join three year articleship upto such time as may be specified by the Council.”;

(xxiii) in regulation 46, for sub-regulations (1) and (4), the following shall respectively be substituted, namely:-

“(1) The articles shall be executed in the form approved by the Council.”;

"(4) Every articled assistant shall undergo theoretical education as imparted by the Institute. He shall apply in the form approved by the Council; pay such registration fee as an articled assistant and such tuition fee as may be fixed by the Council, which shall not exceed rupees twenty five thousand in any case taken together. The tuition fee may either be paid in lumpsum or in such installments and at such intervals, as may be specified by the Council."

(xxiv) for regulation 50, the following regulation shall be substituted, namely:-

"50. Period of Training for an Articled assistant.-

An articled assistant shall not be eligible for the membership of the Institute unless he produces a certificate in the form approved by the Council from the appropriate person entitled to issue such a certificate to the effect that he -

- (i) has served as an articled assistant for a period of three and half years; or
- (ii) has served partly as an articled assistant and partly as an audit assistant for a total period as specified in clause (i) above for which purpose complete eight months of service as an audit assistant shall be reckoned as six months of *training* as an articled assistant, any fraction of a period of less than 8 months as an audit assistant being ignored:

Provided that a candidate who was registered as an articled assistant before the commencement of the Common Proficiency Test shall be eligible to continue and complete the remaining period of practical training as per the deed of articles executed under these regulations irrespective of any break in the continuity of training:

Provided further that a candidate who has passed Professional Education (Examination-II) under these regulations at the time of commencement of the Common Proficiency Test may join three year articleship upto such time as may be specified by the Council."

(xxv) in regulation 51, for sub-regulation (1), the following shall be substituted, namely:-

"(1) An articled assistant who has passed the Professional Competence Examination or Professional Education (Examination-II) or Intermediate examination under these regulations may, at his discretion, serve as an industrial trainee for the period specified in sub-regulation (2) in any of the financial, commercial, industrial undertakings with minimum fixed assets or minimum total turnover or minimum paid-up share capital as may be specified by the Council or such other institution or organization as may be approved by the Council from time to time:

Provided that the articled assistant has intimated to his principal his intention to take such industrial training at least three months before the date on which such training is to commence."

(xxvi) for regulation 51A, the following regulation, shall be substituted, namely:-

183261/06-5

"51A. Course on General Management and Communication Skills and period thereof.-

Before applying for membership of the Institute, an articulated assistant shall complete a course on General Management and Communication Skills or any other course for such period as may be specified by the Council which shall not be less than seven days and not more than 30 days and in such manner and within such time as may be specified by the Council from time to time.";

(xxvii) after regulation 51A, the following regulation shall be inserted, namely:-

"51B. Course on Information Technology Training.-

A candidate shall undergo a course on Information Technology Training for such period as may be specified by the Council which shall not be less than one hundred hours and not more than five hundred hours and in such manner and within such time as may be specified by the Council from time to time.";

(xxviii) in regulation 54, for sub-regulations (4), (5), (6), (7) and (8), the following shall be substituted, namely:-

"(4)(a) The maximum period of secondment shall be one year which may be served with a single eligible member.

(b) The Council may permit secondment with more than one such member provided the minimum period of secondment shall be four months and the aggregate period served on secondment with such members shall not exceed one year.

(5) Where an articulated assistant is seconded to a member in industry, the total period spent in industry by the articulated assistant, including the period of industrial training under these regulations, shall not exceed one year.

(6) During the period of secondment, the member with whom the articulated assistant is seconded shall pay the stipend as provided under these regulations.

(7) The member with whom the articulated assistant is seconded shall be responsible for imparting training during secondment. He shall maintain records of practical training undergone by the articulated assistant during secondment and forward the same to the principal on completion of period of secondment. The principal shall include required particulars in the report to the Council under regulation 64.

(8) A statement in the form approved by the Council shall be sent to the Secretary for records within thirty days from the date of commencement of training on secondment.";

(xxix) in regulation 59, for sub-regulation (1), the following shall be substituted, namely:-

"(1) An articulated assistant shall earn leave at the rate of one-sixth of the period for which he has actually served excluding from such period, the period for which he has been on leave subject to a maximum of 180 days.";

(xxx) for regulation 60, the following regulation, shall be substituted, namely:-

"60. Working Hours of an Articled Assistant.-

Subject to such direction as may be issued by the Council, the working hours of an articled assistant shall be 40 hours per week to be regulated by the Principal from time to time."

(xxxi) in regulation 69,-

(a) in sub-regulation (1), for clause (b), the following shall be substituted, namely:-

"(b) such a person -

(i) is not less than 18 years of age on the date of commencement of audit service; and

(ii) has passed Common Proficiency Test held under these regulations and Senior Secondary Examination (10+2 examination) conducted by an examining body constituted by law in India or an examination recognized by the Central Government as equivalent thereto; or

(iii) has passed the Foundation/Professional Education (Examination-I) under these regulations provided that a candidate who was registered as an audit assistant before the commencement of the Common Proficiency Test shall be eligible to continue and complete the remaining period of service under these regulations."

(b) for sub-regulation(4), the following shall be substituted, namely :-

"(4) Every audit assistant other than one who has passed the Government Diploma in Accountancy Examination or an Examination recognised as equivalent thereto by the rules for the award of Government Diploma in Accountancy, shall undergo theoretical education imparted by the Institute. He shall apply in the form approved by the Council, pay such registration fee as an audit assistant and such tuition fee as may be fixed by the Council which shall not exceed rupees twenty five thousand in any case taken together. The tuition fee may either be paid in a lumpsum or in such installments and at such intervals as may be fixed by the Council."

(xxxii) in regulation 71, for clause (i), the following shall be substituted, namely:-

"(i) has served as an audit assistant for a period of fifty-eight months; or"

(xxxiii) in regulation 72, for sub-regulation (1), the following shall be substituted, namely:-

"(1) An audit assistant who has passed the Professional Competence Examination or Professional Education (Examination-II) or the Intermediate Examination under these regulations may, at his discretion, serve as an industrial trainee for the period specified in sub-regulation (2) in any of the financial, commercial, industrial undertakings with minimum fixed assets or minimum total turnover or minimum paid-up share capital as may be

specified by the Council or such other institution or organization as may be approved by the Council from time to time:

Provided that the audit assistant has intimated to his employer his intention to take such industrial training at least three months before the date on which such training is to commence.”;

(xxxiv) for regulation 72A, the following regulation shall be substituted, namely:-

“72A. Course on General Management and Communication Skills and period thereof.-

Before applying for membership of the Institute, an audit assistant shall successfully complete a course on General Management and Communication Skills or any other course for such period as may be specified by the Council which shall not be less than seven days and not more than 30 days and in such manner and within such time as may be specified by the Council from time to time.”;

(xxxv) after regulation 72A, the following regulation shall be inserted, namely:-

“72B. Training Course on Information Technology.-

A candidate shall undergo a course on Information Technology Training in such manner and within such a time and for such period as may be specified by the Council which shall not be less than one hundred hours and not more than five hundred hours.”;

(xxxvi) in regulation 74, for sub-regulation (1), the following shall be substituted, namely:-

“(1) An audit assistant may be allowed such leave of absence as he earns in accordance with his terms of employment but such leave shall not exceed one-sixth of the period, for which he has served excluding from such period, the period for which he has been on leave subject to maximum of 240 days.”.

DR. ASHOK HALDIA, Secy.

[ADVT/III/IV/104/06-Exty.]

Foot Note :—1. The principal regulations were published vide Notification No. 1-CA(7)/134/88 dated 1st June, 1988, in Part III, Section 4 of the Gazette of India, Extraordinary, dated 1st June, 1988.

2. Subsequently amended from time to time and last such amendments are as follows:-

- (i) Notification No.1-CA(7)/19/92 published in the Gazette of India, dated 7th March, 1992.
- (ii) Notification No.1-CA(7)/45/99 published in the Gazette of India, dated 26th February, 2000.
- (iii) Notification No.1-CA(7)/51/2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, dated 17th August, 2001.